

214015

50903

50904

50905

50 903 - (विश्वेश्वरी स्तोत्र प्रदीपिका)

50 904 - (पञ्च स्तोत्र) -

(लघु स्तोत्र टीका संग्रह)

50 905 - (आनन्द बहिनी)

A-20 N: +

श्रीः श्रीः श्रीः श्रीः श्रीः श्रीः श्रीः श्रीः श्रीः श्रीः

ॐ श्री गुरु भक्त भक्त लक्ष्मि विठ्ठल भक्त ॥ ॥ श्री गुरु पञ्चयेरमः ॥
 ॐ कुरु भक्त विलेख कुरु लक्षण भक्त पीरवर्द्धन दंभ कुरु
 रवि कुरु पञ्च परिलभ कुरु भिल्ल भक्त लिक भक्त ॥ लीलाल
 लिङ्ग लोभ रंभ मिभापी भक्त कुरु छी भूए मीठु ती कुरु वरे
 गी भक्त गिरं वर भक्त भक्त भक्त ॥ ॥ ॥ भक्त भक्त भक्त भक्त भक्त
 कुरु लिङ्ग भक्त कुरु लक्ष्मि भक्त कुरु लक्ष्मि भक्त कुरु लक्ष्मि भक्त
 पुरुष भक्त कुरु भक्त भक्त भक्त भक्त भक्त भक्त भक्त भक्त भक्त भक्त
 भक्त भक्त भक्त भक्त भक्त भक्त भक्त भक्त भक्त भक्त भक्त भक्त भक्त

५५ ति

श्री.

334

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

उतिविश्रितमममभौकरज'फलं॥ मपुस्रु कलवउंभितमिरे
 देमं'भुगदभौलिभ'लि'द्विगणभ'रं'कुवरेमभीभकिवउ
 भकलगभ'म'दम'रुवडिप'षीण'म'दविग'मिउभदभुइ'भुय
 धप'मि'म'दंगल'॥ वे'पि'भीभकल'विभल'पर'मी'पिकं'णी'कं'विग
 मय'भी'मि॥॥॥ उं'पे'म'ह'कलय'वउंभितमिरे'विभु'प'म'म
 इकं'उ'रु'प'ए'र'मि'भ'ग'मि'व'र'मे'म'म'इ'म'क'उ'व॥ य'र'मे'उ'प'र
 मि'ग'र'ग'व'डी'र'भ'दि'उ'भ'प'र'प'प'उ'ती'भ'र'भ'प'म'वि'द'र'उ'भु'र
 म'भ'व'ौ'प'गी॥॥॥ दे'ए'र'मि'उ'व'उ'प'भ'ग'मि'म'द'ग'द'ए'य'मि॥ किं'कुं

प३३
 श्री.
 ७

उ

पसुतीभत्रपस्रा मएभ'व'का॥ विदरति भ्रैरंभ्रैकुय'म'पु'भ्र'न
 विमयीक'उ'म'तिभ'व'प्र'भि'भ्र'वौपगीव'विदरति' भ्रैः प'हो
 उ॥ चे'भ्र'ह'कलय'व'उं'भि'उ'मि'र'उ'ति॥ म'भ्र'व'न'क'वि'र'लि
 ए'उ'॥ उ'उ'चि'भ्र'गि॥ वि'भ्र'गः ५५ छि'भ'य'य'भ्र'च'भ्री'ति'उ'दि'भ्र'
 रि'भ'य'गी'ए'भि'ति'नि'यै'पू'जः॥ उ'म'भ्र'ग'म'भ्र'कं॥ न'म'भ्र'ग'भ्र'
 न'र'भ्र'ग'गै'ठि'णी'य'उ'उ'न'भ'दि'उ'भि'भ्र'जः॥ म'भ्र'भ्र'ग'की'भि'ति
 य'व'उ'॥ म'भ्र'वौ'प'दः॥ भा'ति'म'यं'भ'दि'भ'भ्र'भ्र'मी'ल'य'न'॥ न'प'ग'
 व'उ'भ'द'॥॥ सु'मि'ह'उ'वि'ल'भ'ल'ल'भ'उ'य'उ'भ'उ'गी'य'उ'य'

श्री.
 ३

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

विष्ट

श्री

ललनरु॥ उच्चागल विमेषभुय सुमिह उविल मलल मउय
विश्वभापिल मरिह उवउउउउउः॥ किं कुतः यङ्गीयः॥
वेदमिभयी वेदमयेय विष्ट भुः भुपय भु भु उव
देण रविउं उगीयं वौपगी वमं भयि विषये म भु मय लष्ट
भमं विणेदि उचमय किं कुतं वमं भण कल्ले लकैल दल
दकल्ल रवळरीय कविउ भ भु ए मिद्रि पूरु॥ भण यः पीयं ध
भुय कल्ले ल भदल दद सुधं यः कैल दलः कल्ल वउ भुय
श्रीरपिल रं उ भु यम कल्ल रं उ उगीयं उउ॥ य कविउ उभ

य भ भृष्टमिद्विः श्रुतय विद्वि नीमिद्विभुं प्रकृष्टं
मतीतिउषाभा ॥ ७ ॥ अथेयं नीविमिधुं वगुवभुमदिभभ
द ॥ कल्पमिं कभलभरपिकलय विद्वः कथासिक्किलहं
एव रयं मरुमडुं वेमं सविद्वः ॥ उमउल्लितेप्रभी
नरलंभभभुं मेदिमयभुं मेमभमीरयतिप्रलकेरुज
मेवः ॥ देणरातिक्किलोतिभुं ॥ कल्पमं भुपुं मे कभल
रिभुं एवमडुं वेमं सपरसुतः विद्वः सपडुं मडुं रयं
कप्रकृष्टीदुतवरा ॥ किं हतः कभलभरः ॥ अपिनिस्त्रयेन ॥ क

दहउभमैपतिभयीरमेदेगापभयीभइंप्रभयीरुउमर
 भयीविउप्रतिप्रभयी॥उरइंउवनेसुंगीविणयिरीएयभि
 एयंविठेभुऊनएविलमिप्रएभउयःपिलउभभउयः॥
 अदेउतिभमुं॥देभउ॥भइंमेवंविणवहभलहअवउम
 उरकगलनइंविठेभुउएयंऊडविरीउवनेसुंगीएयभि॥
 किंऊउंइंविणयिरीविणवनमीलं॥अउएवभभभभउयः॥
 ८१॥यमःपिलउ॥रवगहपहमहःकरलहभमीहउ॥किंऊ
 उ॥भउयःइऊनएविकमिप्रएभउयः॥इऊनएहउऊन

ਲ

ਧਾਵਿਕ ਮਿਰੀ ਪ੍ਰਕ ਸਸੀਲ ਤਮਾਧੀ ॥ ਪਰ ਪਵਿਤ੍ਰ ਮਤਿ ਦਮਾਤ
 ਮੁਖ ਕਿੰਕੁਤ ਕੁਧਤਿ ਮਧੀ ਧਤਿ ਗੀਕਰ ਮੁਖਧੀ ॥ ਪਰ: ਕਿੰਕੁਤ ਕੁ
 ਮੈ ਕੋਰਾਧ ਮਧੀ ॥ ਰਾਮ ਸਚੇ ਰਾਤ ਹੁਰੇ ਵਿਧੀਯਤ ॥ ਤਥੁ ਕੋਰਾਧ ਮ
 ਮੁਕਲ ਤਮਧੀ ॥ ਪਰ: ਕਿੰਕੁਤ ਪ੍ਰਾਨ ਮਧੀ ਪ੍ਰਾਨ ਦਮੁਰੇ ਤਮਧੀ ॥ ਪਰ:
 ਕਿੰਕੁਤ ਮੁਤ ਸਰ ਮਧੀ ਮੁਤ ਸਰੇ ਰੇਖ ਮੁਖਧੀ ॥ ਪਰ: ਕਿੰਕੁਤ ਵਿਚੁ
 ਤਿਥੁ ਮਧੀ ਵਿਚੁ ਰਾਮ ਮੁਖ ਮੁਖ ਪ੍ਰਤਿਥੁ ਮੁਰੇ ਪ੍ਰਤਿ ਤਮਧੀ ॥ ਤੇਰੇ ਕੀਰ
 ਤਿਠੁ ਰਤਿ ਮਨ ॥ ਰਿਦ ਧਤਿ ਮਧੀ ਤਿਥੁ ਮਨ ਵਿਸੇਖਲੇ ਬਖਤੁ ਪ੍ਰਭ
 ਧਤਿ ਰਾਮ ॥ ॥ ਸੁਖੇ ਰਾਮੀਯ ਤੇਰੇ ਰਾਮ ॥ ॥ ਰਾਮ ਬਖਤੁ ਮਨ

ਦਕੁਰੁ

ਸ੍ਰੀ

क० भ० प्र० भा० ए० र० व० कु० म० भ० भ० वे० कु० व० रे० सु० गी० भ० व० मि० न० व० ग० य० म०
 व० उ० भा० ॥ इ० मे० स० ग० म० के० भ० मी० प० रि० म० ये० म० छ० इ० ए० भ० ग० र० श्रै० रे० ह० ग०
 वी० मि० वि० रु० भ० लि० उ० मी० ट० उ० मि० ट० गिरः ॥ दे० ए० र० नि० ॥ अ० न० मि० न० भ० न०
 ल० ह्री० व० ट० ॥ उ० व० ए० ग० व० उ० भ० व० कु० व० रे० सु० गी० भ० भ० वे० ॥ अ० प० र० दे० मे० वि० ॥ उ०
 ए० ॥ अ० मे० भ० भ० मि० ट० गिरि० व० ट० ॥ मी० ट० उ० की० ट० उ० ॥ किं० कु० ट० गिरः म०
 र० ॥ के० भ० मी० प० रि० म० ये० म० छ० इ० ए० भ० ग० र० श्रै० रे० ह० ग० वी० मि० वि० रु० भ० लि०
 उ० ॥ ग० मि० ठ० व० म० र० मी० म० भ० के० भ० मी० ट० उ० ॥ प० व० रु० पि० उ० प० भ० क०
 मि० डि० प० व० रु० वे० प्र० व० प० म० ट० न० ॥ उ० भ० यः प० रि० म० ये० मे० छ० न० दे० ली०

रुद्र गायः भूतभारः पीषधना गिणिः॥ उभुभैरंभेक्य॥ यउ
 हुगगः सवयभरवीमयैलददभुभंयैविह भिगिः नभः॥ उं।
 एयतीतिउषा॥ किंमुतंभुभुमलत्रकरभपरं॥ इकिंनभभे
 नभुभंयैपितिलयभेउ वडा प्रवंइकिंनभलिहउउः
 धहुं विणयउभुत्रपज्ञादिरभपुप्रदरभभउउय
 कभलभिडिमहुतिउंरुवति॥ उउंरुगुवंगीणंमरुकलत्रभ
 रभदिउंउमयेदिलिपिमिडियउंरुगविणिः॥ ॥ ५८॥ नीनभ
 वदएभभद॥ ॥ ५९॥ ॥ ॥ लेपप्रभुउंरुवउभरनिमीप्रभुक

विपुत्रपडभभुम
 रभभपगभा
 ५१: १८
 भुणरे
 श्री

मिह

ॐ ह्रीं क्लीं नमः

श्री
३

लउ॥ विलमउ॥ कि हुउममः पउक एलअलमलररीक
गे॥ पउकंरं एलंमअदमुमुअलंकममुमुमलरेविमरल
याक्रीमलीलउयकगे॥ पः कि हुउः कमअमउकेमलः
कमअं कमअउदेवामउं पीयुपुतेरकेमलः ममवः पः किं
मिहुलितः॥ मिहुउवगणरे॥ लिउः प्रिउः॥ देममसुगि॥
मिहुमिगिरदंगिरं॥ करिपुवंपपकएपि॥ मि॥ किंउं
गिरं॥ मिमउप्रवूलदगीमऊउकेउदलपउमउमउम
पिमिउगुल्लमगं॥ ममउउमिभउठिलधितयः प्रवः गउप

शुद्धिभयः उद्यत्तलदगीभृगः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ भा ॥
 निप्रयकैः उद्यत्तलदगीभृगः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ भा ॥
 वृद्धः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ भा ॥
 यद्युभयः उद्यत्तलदगीभृगः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ भा ॥
 द्वाभाषः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ भा ॥
 निः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ भा ॥
 प्रहृलपेलः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ भा ॥
 देणः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ उद्यत्तलदगीभृगः ॥ भा ॥

श्री.
 ७

ली यणे प्रणयाभि॥ किं कुतं मयलं॥ सुणमडुल भूण
गडं॥ सुणमडुल भूण मडुल कभलं उगडं म
भुं॥ परः किं कुतं भूण॥ उल्लेखं भूण॥ अथ किं कुतं॥ सु
मिठिरकगमिठिचलेः ऊभमिठं पधितं॥ यषाड पिलं
ऊभमिठं पधितं ऊभमिठं॥ किं कुतं गमिठिचलेः पूड
डि॥ एकभकं प्रोडि॥ सुममडुल ऊभमिठं पधितं॥ ये पं॥ पूड
नडुल मुमुष॥ अथ सुमिठिरकगमिठिः ककपदतं॥
पूड डिठिं मपुडिलं मडिचलेः ऊभमिठं परमैठिठिभि

कः

हृत् ॥ यत्तु च भिदेव म' मयः कापद उच्यते यत्तु दरीयः ॥ पठिते
मते यथा ॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं दं ह्रीं मधु हृदि ॥ प्रकृतिं कुरुते प्रकृतिं प्रल
पविष्ट पङ्क मलपे हिलपिल इण कल्ले ल कल मरु मरु म
म मरु मरु कल्ले कल्ले कुरु म ॥ प्रकृतिं प्रले वृद्ध गतु यद्य विष्ट पङ्क म
ले वि मल मल मल मल क मल ॥ उद्य पृष्ठे लपिल इण कल्ले
म पल उगले पीय पल दरी ॥ उद्य कल्ले यत्तु कुरु कुरु म
रु पङ्क म मलः उद्य यत्तु म मरु मरु विले पर म मरु मरु मरु
कल्ले मरु मरु मरीय म ॥ उद्य मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु मरु ॥

श्री. ३१
०.

म +

मैंदंइकन॥ कएहमर॥ पछसमस्रगउ॥ पूरुहउर
वभाभिरमगरइममालिइउ॥ श्रीभवलुविहुधलीरुउकल
निष्कमभरभउभुस्रमभुटिकदिभादिउपयः मेठवतीठ
१ती॥ देभाउः मैंदउवभवक॥ इकन॥ कएहमर॥ भुवम
ययउपइवीर॥ मर॥ भवभाभितिपूभि॥ किंदइभन॥
इउं॥ पूरुहउरिवउ॥ कभयस्रसमस्रगउ॥ पूरुमीरंपछ
रा॥ पिवयसंपछसमस्रगउ॥ पछभनमइमल॥ य
इयवाउमस्रग॥ उइभन॥ मिडिउयउ स्रवपछ

५१.

कृतकल निष्कृत भगभउभुक्तु कृतक दिज्ञ ॥ श्री भवेष्ट ६
 गुणि यमुष्टिक ईउहुं भाद्रितं रदली नउं ॥ यद्यये नयं ॥ पउ
 धाभेक ईकर लया रुमी ठवति ॥ उरुमी ठव विदुते यमु भउ
 वा ॥ प्रववा श्री भवेष्ट भुभदेष्ट विदुध ॥ कृतकल य सुक्त
 कल य ॥ निष्कृत भगभउभुक्तु कृतक दिज्ञ ॥ निमल भुष्टि
 कल यउभु भाद्रितं यद्यये नीरं उरुक्तु यमु भउवेति ॥ यजे यम
 कः ॥ कउ सुक्तु किः ॥ पीयुधं वदति उरु चरे नम भुष्टि दि
 कुरति ॥ उरुक्तु यमेकी कुर यमुक्तु कउ उरुक्तु ति पिदि उरुः ॥ ७

भुष्टि दिज्ञ

श्री.

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

वि

इक निरुगिरे अरु निरुतं मरु कयेः अमे कं भये विरुगुत उपा
म॥ उरु गि निरुगि निरुभिं अरु निरु गिर वेव अरि॥ अरि
पुनरु मरु मरु सिउं॥ परः किं कुरुतं भाय भयं भदः भद्रकय विरुगिउं
भद्रकय वरुगुतिउत भा॥ यव ते ह्रीं अं ते ह्रीं अं॥॥॥ उरु विरुपद उं
ह्येय भा॥ अपरं किं कुरुतं॥ अणीरु भउ मिनु ररु रभा॥ अरु अणीरुः अ
भुनरु ह्येय भउ मिनु मरुण भगार भुनरु ररु॥ भवेद भति भउ कल म
मिउरुः॥ परः किं कुरुतं॥ विपरीतरी उरु मरु अरु कय वरु॥ विपरी
उरी उरु मरुय भद्रकय उरु अरु॥ अरु कय वरु अरु॥ अं ह्रीं अं ते ह्रीं

५८
श्री.
१३

परिभरे भङ्गयमेण भयौ इण नीएउत्र भत्र नकन ॥ पीयूषक
 लंलिरीभा ॥ वभ'उल्लपउं निरङ्गुम निरएडैउ भम'भाम'प्रल्लभ
 वल्लकैः भ्रु'उप्रल्लकैः प्रनिडिप्र निमै ॥ ५ ॥ देभ'उभ्रु'नीएउउं एप
 उं ॥ मेभभा'प्र निमरी'वयवः उ'प्र निउ'भ्रु'मि' निभ्रु'उउल्लमउ ॥
 कैः प्रल्लकै'भदद'लेः किं नव' ॥ उ'उग'ल्ले'कै'व'भ्रु'भा'नीएउ'भ्रु'मे
 प्र'डिप्र'भ्रु'उ'प्र'नि'भ्रु'य ॥ रिः प्र'क'भ'भ्रु'व'भ्रु'भ'भ्रु'उ'वि'भ्रु'य ॥ प्र
 प्र'के'प्र'भ्रु'उ'प्र ॥ सु'ण'ग'सु'ण'ग'म'के'ह'य'ये'भ'भ्रु'मे ॥ मि'ए'प'रि'भ्रु'उ'व'भ्रु'र
 इ'उ'ति ॥ किं न'उ' ॥ रि'ग'ङ्गु'म'नि'र'ए'डै'उ'भ'उ'भ'भ्रु'प्र'ल्ल'भ'वल्ल'कैः ॥

श्री.
 ०१

रिङ्गुसंभदगदिउंरिएभुभुयगइउभउभुभउंउइयउ
लुभः लुगएलंउभुप्रलकैरिवप्रलकैः॥ किंउंउंभेणभयीभि
णभउंपा॥ प्रः किंउंउं॥ प्रउउक न ॥ पीयप्रकलेलिती॥ प्रउन
प्रउउं॥ यकन ॥ पीयप्रदयभउंउभुकलेललददयभुवि
इउंभउउभ'उ'॥ भा॥ ॥ ०७॥ प्रषेगरीवीराइयएइभुदलभ
द॥ ॥ वा॥ ॥ वीएभिदंएपाभिपरभंउकभगएठिंभउभउ
पंरंविभनभदिउंकरउंउंभ॥ मीयइलिउभोलिकीलिउ
भलि॥ प्रउगीगएरैगीः पीउरभरिउरभभेगएभुउभंउ

श्री.

देगातः मकले सुविउरकरल्लममममवहुतवक॥ विरुतं
मउउमहु मउं प्रमरुतं॥ कषयेरकरल्लनेमंवालीगीणमेकरु
पभाणमरु सुदं एपाभि॥ उउपिकमगणं लीकरुपंद मय
एपाभि॥ उउमरुपरं मपवउउहुतः॥ परवहुपुयभुतइउपरं
परः किंहुतं विमनमदिउं करुडरं॥ विमने मदिउतादपरु
उरेयभुतविमनमदिउं हुडरं॥ भोविउिमजिगीणं वद्वरुणं
पाभि॥ सुषवभाभुपरमिहइगीण विमेपेपादरुहियमल्लदि
परमममपल॥ सुतुमवेरइदकरुलहुतेमकरुमभिमिहइ

उ सुदिदकराकर ॥ अषमभमम ॥ भकर सुताइकरा ॥ अरैरे ॥
यप्रगीएप्रउइउपरंविमनमदिउकरैउरंभउ ॥ इरितिउ
पंमजिगीएंग ॥ किंविमिष्ववाक ॥ णीरेचौउरभावरैरात्रादि
उअरकुउरभा ॥ किंकुउेवीरे ॥ मीअरैलिउभालिकीलितुभलि
पुअरुनीगएंग ॥ मीअयषठवतिउषाअलिउषभोलिषकीलि
उअरैपितयेम ॥ यअरैरपुअरुनीगएंगयेअमुषा ॥ किंकुउे
वीएइयंपरभंपराउइषामेकयप्रउइरभमिति ॥ अषवापरा ॥
याःपराणिणयवाअभमेकयप्रउतिवालीगीएविमेम ॥ म

वा॥ भ॥ अषकगवड भदलं मदि॥ दुणाएवमद॥ **प्रमुपदु**
कल निरतुरगल श्रीप्रधतिदुमिया भददे मिउमद अइवलं यं
 यातिरुतीरिठरं॥ अतुमइमयं भुमेव एपमिप्रदक वडुकरं भ
 दुमदि॥ पालि रभुविउरमेयं मिदुयं मिमे॥ १॥ देप्रभुभउभ
 कुतुपामदि॥ पालि रभेभदं कुयं मिमेयं मिविउरउमदय
 यातुं रिठरं भदं भटिक भलि अइउ भद अइवलं यं तिहतीम
 ती॥ अतुमये भुमेव श्रीयमेव भद भय भदं एपमि किं लक
 भदं एपदक इह भदं प्रतिचडिचउयं यभउतुवा॥ अषरा प्रद

श्री
 ७

का काडि दभु उभु उका काडि ॥ किं कुत भव भव इवल यं प्रक मय क
ला निरतु रगल श्री प्रध विरु प्रिय भवे दे मितां ॥ प्रक कुत मोप न
कुत या मय कल उभुः भक मा उ ॥ निरतु रग भ विरुि ने राषा ठव डि
उषा गल उये पी प्रध विरु व भु धे या श्री प्रक उय भवे दे मितां भति
मुह उ उ म न उं पं उ म म क र भि उ मः ॥ ०५ ॥ प्रवे म नी ठ ग व उ व
भ उ ए ए र भ द ॥ व सु भु भि क भ भ र भि उ न मि उ म व म उ उ
वि मु नी श्री भु क गं ठ वि सु भ उ उं टा ए भु भाल वु ए ॥ मी उ उी भ
पि व भ ए व न मि र उ मु र द उ र उं रि उं प भु क ण ॥ पू पू पि री म

ਸ੍ਰੀ
੦

ਵੇ ਗਿਗਰੀ ਸ੍ਰੀ ਮਾ ॥ ੦੭ ॥ ਸ੍ਰਦ ਨਿਤੰ ਨਿਰਤੁਰੰਤੰ ਗਿਗਰੀ ਸ੍ਰੀ ਵਾਸਾ ਮ
ਪਿਸ਼ਿਵਤੰ ਵਾ ਗੀ ਸ੍ਰੀ ਸੰਸੇਵੇ ਮਮਾ ਗਯਾ ਮਿ ॥ ਕਿੰਕੁਤੰ ਗਿਗਰੀ ਸ੍ਰੀ
ਦਸੁਰ ਪ੍ਰਸੁਕਾ ਪ੍ਰਾ ਪ੍ਰਾ ਪਿੰਗੀ ॥ ਦਸੁਰ ਵਾਸਾ ਪਾਲਿਨਾ ਪ੍ਰਸੁਕਾ ਪ੍ਰਾ
ਪ੍ਰਾ ਪ੍ਰਾ: ਸ੍ਰਦੇਯਾ ਸ੍ਰਾ ਸ੍ਰਾ ਤਥਾਤੰ ॥ ਕਿੰਕੁਤੰ ਦਸੁਰਾ ਪਿਸ਼ਿਵਾ ਪ੍ਰਾਤੰ ॥ ਨਸਿ
ਤਸੁਰ ਵਾਸਾ ਪ੍ਰਾਤੰ ਨਸਿਰੰਧਾ ਕਰਤਿ ਤਥਾਤੰ ਸੁਰਗੋਪਤੰ ॥ ਕਿੰਕੁਤੰ
ਸ੍ਰਸਿਕੰ ਸ੍ਰਸਿਕੰ ਮੰਦ੍ਰਾ ਮਮਾ ਸੰਵਤ੍ਰ ॥ ਕਿੰਕੁਤੰ ਮਮਾ ਸਿਤਨਸਿ ਸ੍ਰੇਸ਼
ਵਤੰ ਤਤ੍ਰ ਵਿਸ੍ਰੇਸ਼ੀ ੭੭ ਮਿ ॥ ਸਿਤਨਸਿ: ਸ੍ਰਦਿਕ ਸ੍ਰੇਸ਼ੇਸ਼ੇਸ਼ੇ
ਸੁਸ੍ਰਯਾਤੰ ਤਤ੍ਰ ਵਿਸ੍ਰੇਸ਼ੀ ॥ ਤਤ੍ਰਾਤੰ ਕਤਿ ਪਤਿ ਸੁਸ੍ਰਯਾਤੰ ॥

मैठउयभरुगंठविष्णु॥भैरुदठवरमील॥परः किं कुंभं भंउं
हुणभुभाल्लभुणदीहतीभणिकमैठयुक्तभा॥०॥सवेमरी
परमेश्वरदृष्टविमिषुंदलभाद॥॥उमेविष्वपषीरपीरवि
लभत्रिभूमीभभरभुउभैउवीमिदिमिहृदिभ्रुगविहृणउं
ठरती॥याभाकृविप्रलभभरभरभ॥पुष्टल्लिउंइलिठिमी
लद्धिउयराप्रलैभभरभैरिरेयुरिऊःकलभा॥॥देभउमु
मैवंविणउह॥एरादेभभरभउतीविहृणउंमैठउं॥किंकुउठ
ती॥विष्वपषीरपीरविलभत्रिभूमीभभरभुउभैउवीमिदिमिहृ

ठाङ्गि भठगा॥ विष्णु पखंडा प्रेतीति विष्णु पखीरं यद्गुचष्टापकं पीरं
 मं विलभङ्गीरुयं॥ विष्णु मंभीमपदिउं यद्गुचष्टाउमं मपम
 उं भूतः प्रवादमुष्टवीपीरं यद्गुचष्टाउमं मपम
 दगा॥ यं करगीभकलुभभरमेदेव विष्णु मंभीर॥ उं मं मपम
 विष्णु य॥ कैरयनल्लैः किं कुतेरयनल्लैमीलदि॥ मपम
 रुद्र भोलिठिमभुकैः किं कुतेरमभुकैः प्रेष्टुलिउे मपलि॥ उं रव
 प्रसिउेरिउजः॥ १॥ मपम मंभीरुगारुगीराइयमुप्रकगउर
 एपविणभद॥ सुमेवगठवमिदुविदुमपमं राउेमकमम

श्री.
 १

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

श्री

चरुं भपं मरी भहुं भमहुं उतं यइ इ विदिउं अदक विमउं म्ही
उं गिरं मभुतं भा॥ येइ मी लिउके लि के किल उइ कं गव उं
छिउं ज्ञाप्य मिछिउं पपु मभुति मभ'दरं पिठुं पमः ॥ ०३ ॥
देणारिउं कुरं अइ उं कलं मभमभ'अउं भाचरुं भपं मरी हुं
उं भा॥ अपि रिउं ॥ यइ यं भ'अउं भाचरुं भपं म'गिरं मभु
उं कालं म'उं ॥ पनपा अमेवं वि०ः सुति मभ'दरं पिठुं पमः
भु'उं ॥ एवमिउं किं ॥ येइ मी लिउके लि के किल उइ कं गव उं
छिउं ज्ञाप्य मिछिउं पपु मभुति मभ'दरं ॥ येइ वमउं उं मी लि

उकेलयेकेकिल॥पंकेकिलसुधंयेज्जकगवउंगभुगपि
 मापुपुयस्राप्राभुति॥उयाभिप्लिउवेविउयःपल्लभभुसू
 तिमभादर॥भपिंररुपेरुवतिकिंकुङंगिरं॥भदकविमते
 म्हीङंश्रीकीनङंकिंकुउंमदकविमतेःसुल्लविदिउते॥भदप्र
 ठंरुसुदामिक्कमभि॥यइगुमदंविनेउउउगुमरेव॥यइलप्य
 वेपिलंउउउइलप्यरेवेति यासुल्लउयाविदिउःपेरिउंमुः॥
 उमंरीरगरुडभइउनकिउंएरउरभाद॥वाग्रीएंकुवरेव
 गीवमवमेडुस्रादववागिरिवादवल्लविमीलपाउकरुंगपुया

भिनिहं गिरभा॥ वी॥ प्रभुक भद प्रइवल यंशु एभु मभू मयं॥
 विह प्रभम प्र सुनिः करतलैग विहवतिह भाभा॥ ०७॥ प्र
 दं निहं गिरं वगी प्रगीष्ट याभि॥ किं नृव उइ प्र दउति॥ किं वी॥ वगी
 ए भे करं कुवरे प्रगीभा या वी एं द्वा करं॥ वम वम वगदा प्रि नि प्रद
 ति॥ किं कुतं गिरं वल विमील पउक करभा॥ वलै रि ति मइ व
 गे विमीलैः प्रगी वतः पउक कर य यभा उ वत म॥ प्रः किं कुतं
 गिरं करतलै प्रउतिः पालि उलै वी प्रभुक भद प्रइवल यम
 भु नंदम॥ विह प्र दहि प्रः कर म प्र इ म उतं॥ प्र प म दि॥

ॐ करे ॐ वी ॥ व भा ए करे ॐ प भु कं म हि ॐ व करे ॐ व भु
 य भि व करे ॐ भु न दं म ए ॥ किं कु उ भ भु न दं टा ए भु भ ल भु
 ह ल भि ट उ ॥ किं वि मि षु क र उ ले र न ॥ सु निः र ज क वि कि ॥
 प्रः किं कु उ गिर भा वि रु व दि रु भ ॥ सु वि रु व यु क पी रु व दि रु भ
 विला भ य भु भा उ वा उ ॥ ०७ ॥ प्र क म उ य भ इ य वा ॥ रिं द्रो व म
 व म व ग वा मि नि षा द ॥ ॥ ॥ उ म री क ग व ट भ उ ए प ए र उः ह ल
 भा द ॥ ॥ ॥ उ म उः न प य उ र म य उ र वि ट पि प टं भ यि ए डु भ र
 रु म र की डि क वि उ भ टै क भिं द भ र भा ॥ क ल ल मि मि व भ र

श्री.
 १०

कुवरप्रगठगजकिभ निप्रसुभः परिपकपीवरपगनप्रतिपु
 भद्रभा॥॥॥ देभ'उमुउभद्रसुपष्टरतः भयिविधयेविष्टापिपंड
 विष्टाभपिपडिंडुगद्रयउगभटुं प्रप्यएय कयद्रपयम्व
 कभय किंकुतं विष्टापिपंडुष्टुमैरुमैरकीडिकविठमहेक
 भिंदभसं॥॥॥ एष्टुमद्रिकउष्टुयष्टुमैरुमैरुदगडुतमुष्टुगपदति
 श्रीकीडिदष्टुपवंविणय कविठपउवतीमद्रिकभैरुदमम
 मीय कविठउयामैरुमैकं भिंदभसंयष्टुउउष्टु॥॥॥ किंकुतंवि
 ष्टापिपंडुकलक्षिमिमिरुभ'उवरः प्रगठगजकिभ निप्रसुभः

परिपकपीवरपरगनमः प्रतिष्ठामदं कलामदं कलामुसुरमुय
 सुमिमुसुप्रगमः महुमः सुममेति॥ सुमिमवेरेपलहउ॥ मिवव
 भारमिउउउउउप्रप्रिः कलामुमिउमेवमिववभरंतमुयकुव
 रमकुडिमुमुयः प्रगुगः प्रवमिउिमुमुयकुदिभुरिप्रुडभः व
 दलीमं सुममकं उमुयः परिपकः परिपमभुमुयः पीवरप
 ररमभुमुयप्रतिष्ठामंभुउउ॥ सुमदंभुभमिउउ॥ ७॥ उमरी
 ठगवहवीएएरभुभउउंरुलंमगउयगलेरद॥॥ लेएकिउ
 दिहउउरिवरुंरवीएभुमैः मरुउगकाकगलविभुपरिउिभय

श्री.
 ७७

शिवावेष्टितम् ॥ पले र्मे नमरे उ मेत मपिले पीयध गोपा द्वां भूतम्
 भूभमभूतं एपति यै एि द्वा प्रले नि सलः ॥ ७० ॥ उष्ट इक न ॥ क
 एका कल्कि मभूति भा इ म पि भूते मा ति भू पे ति मी ॥ ए इत एग
 द्विक रा ग ॥ ॥ उ भू म सु ए रा इ य कू उ र मा डे उ प्र ती ति प्र मेः मे प
 हुं प र म भू मे ति व म न भू ए गि रा वि हू मेः ॥ ॥ ये भू उः प्र म न यी ए
 म क र भू पं उ दि र डे उ स्र ड् म मे लो पा तिः व उ मि व प्र नः उ स्रै म प रि भू
 र ड् भू रा यः सु क र भू द्वा इ म ॥ ल व ड् ग ले भू रै द ग ये वि द्वा र भू
 रै य भू ड् ड षा ॥ उ उ पौ रि उ भू य शि वा वे ष्ठि त म ॥ प रि उ भू भू ड् ड व र

यः

ਮਾਂ ਸਾਰੀ ਲੋਕ ਲੋਕ ਮੁਤਿਲੋ ਮਤੋ ਦਿ ਤਿਥਾ ਤਿਪੁਕਰੇ ~ ਵੇਖਿਤ ਮਾਂ॥ ਤਤੁ
 ਮੇਤੁ ਮਪਿਲੇ ਮਮ ਗੁਪਲੇ ਕੋ ਮਸੇ ਮਮੁਲੁ ਸਮੁ ਮਏ ਪੀਧੁ ਮਗੇ ਗਫਰ
 ਮਮੁਤੁ ਪਲਵਲੁ ਮਪਰੰ ਮੁਤੁ: ਮਮੁ ਮਮੁ ਮੁਤੁ॥ ਮੁਤੁ ਪ੍ਰਵਾਦੁ ਮੁਮੁ ਮ
 ਮੁ ਮੇਵਿਲ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮੁਤੁ ਪੁਰਿ ਜਲ: ਮਿਮਿਤੁ: ਮਮ॥ ਲਿਫੁ ਮਲੇ
 ਮਮੁ ਮਮੁ ਤਿਥਾ ਤਿਤੁ ਤਤੁ ਪੁਰੁ ਮਮੁ ਪਿਨਿ ਸਿਤੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ
 ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਤਿਤੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ॥ ਕਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਕਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ
 ਤਿਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ
 ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ
 ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ

ਸ੍ਰੀ.
 ੭੩

मये प्रगल्भीः प्रमे भरे डः॥ उभ्र मिद्रुपमंदरे सुसुमी भुव
दरा भूले भापक भले पर भद्रुं भैरुं मरुद्रु मद्रु मे ति॥ उरुयं
प्राप्ति॥ कै निग विरु भै चाम विल मेः॥ किं कुत भैरुं एगु ड्य
कु उरुभा डै उ प्रीति प्रमेः॥ एगु ड्य भुयै कु उरुभ भुभा डै उ प्रीति
मद्रु उरु नं उं प्रु म म डीति प्रमे रिडि उडुषा॥ म्रव व एगु ड्य डु उरु
भा डै उ प्रीति प्रमे रिडि पान उरु गिगं विरु भै रिडि भु दिसे ध
म्रवे मं गी क ग व डु डु यै र भ ड भयं मरी ग व य व भा द॥॥ सु
कु भै लि र वा पर भाप भिगं रे डै क ल व उरु भा वं म प्र ट ट ट उ म

म ३४॥

इहै वल्ले कपेल इयं ॥ मउ श्वेव भण भुषे धूय गलं भवु वगालि
 भासि क भल भम ग विरु रापिम गी व विभन भ्ररः ॥ १७ ॥ क मि
 इहि ॥ उ उ ए लु मि उ र व न भु व म उ ए धू मि उ दि र व र म
 मर ॥ उ अ हि इ य उ प द ॥ वं मः प धू रु व व र ठि रु म ये व मि इ यं
 त उ व र उ म भु म भी र ॥ सु म परः कः रू प उ उ भि के ॥ १८
 इ म भि के उ उ व सु रुः सु क रः भो लिः मि रः ॥ सु व प रः सु क र
 भु पं म ॥ प रः उ रं व र इ र इ इ यं ॥ उ उ क ल ॥ उ ए म भ वं म प ए ॥ १९
 उ र म भ वं म प ए इ यं ॥ उ म र ए ॥ उ म र ए उ इ क र उ क र क र

श्री
 १५

लङ्गयं॥ उच्चमर्षेत्तुच्च उच्चैश्चापैर्दिशुष्यगलेत्तुम्भ॥ भक्तु
क्षगालि पकरमीरितले उता॥ उच्चगविन्दः प्रकरः एिक्क्ष
अलं॥ अर्पर्विभजभ्रुः॥ अः करभुवशीव॥ कदि कपनप
एउडेवंकुपः॥ उवमदि॥ उणः मवनेवभक्तुणः एमिपूदनः
उदिभुवनः॥ उउत्तुम्भ॥ ममदि॥ वाममर॥ देम॥ उ
मुउवज्जदिइयं॥ पदपकरदकगै॥ मदि॥ उदिः प
वामज्जदिः दकरः॥ अषठादिइयंरुभउतिइयं॥ पूरुवेवं
॥ नाठिदमयेग॥ पूरुवेवंमेवकरः॥ नाठिदकरः दमयंभ

कः॥ एतुर्वेयः मभु उं डियरलवमधम उडेवंकुप' भुव
 मभु एतुर्वेठरति॥ इगम मं मभे मं भिभ हसु रु लि एतुर्व॥
 अण्यः लिङ्ग गतिः रुयं भ्रापं रु मं मिग उ डिया ड मभु
 म॥ परः मपर रु करः मभीरः पू भु न॥ दे एर रि रुः
 क' भु व रु पे व रु रू भि डि॥ ७५॥ अषठ रा व रु व ल मय म
 नीर रु ठ एर रु ल म द॥ प वं व ल मयं व प्र भु व मि वे ले क
 इय टा प कं ये दं रु व न य रु ए रु व य वे रु गे पि डै रु रु रे॥ अ डी
 रु य मि रु व म रु क म ल रु रेः मिग रु वि रु मि रु वि रु मभु

मी.
 ७५

[illegible]

भायंमभयेकमलकगउवाकउयेयेधंउैशुजलीनउैरिहज
 ॥७५॥सुषुठगवहृष्टुरकलभाद॥॥येएरतिरापतिभउउ
 भडिष्टयतिगायातिवाउेधभाभुभपाभुतेभदपमउभैचि
 लेभानिगभा॥किछुकीइतिहुहुवःअरठितःश्रीमन्महेश्वरि
 रीकाडिक्कडिक्कगडिकैगवभकभैकगुमेठकरी॥७६॥दिए
 रतिवोप्रमधापवविपंतउउववलूमयंवप्रहरतिअसकएप
 तिभउउभठिष्टयतिवाअसकगायाति॥उेधंप्रमधाभुभ
 सुभापंगिगंविलामैचमंविलभनेमपाभुते॥किंहुतेनि

श्री.
 ७०

[illegible]

उं मीप'अयदिमि एपतिपलयेउधंररेमृभम॥मेवतेमरल्ले
 किरीटवलकीविम्राउरइकुगहृष्टुभेदरभेदिरीउलरएभिमु
 द्गरगामियः॥१॥देएरनिप्रविमंउववल्लभयंवप्रअयानी
 एविमकिउंनयानीएरउाष्टिउंभउ॥प्ररस्रमीऊअमनेमि
 उंमीऊअमनेउमीरितमिहऊः॥येएरःमीप'अयदिमभ
 तेएपति॥पलनिस्त्रयेरउधंप्रमधाल्लभमविहंरैमृःगएर
 सुगल्लेमेवते॥किंकुउररेमृः॥किरीटवलकीविम्राउरइकुग
 हृष्टुभेदरभेदिनीउलरएभिमुद्गरगामियः॥किरीटमंभ

श्री.
 ९१

एवं वल्लह किं विदुः चैव ननु ननु यः॥ उ इति ननु उ विरि विधु वि
या विरि ननु विरि उपा भद्र ननु ह्यु किं ननु कति भुय भद्र ननु भिगुं यम
प्रभं यं ननु भद्रिनी उलगणः॥ भदी उलगण मुन भिद्र ननु ननु गमी
देधुं उ उपा मी प भय उ उति ननु धर्क धर्क लि ए भद्रि ननु भद्रि ननु
धर्क धर्क ननु भद्रि ननु मी ननु ननु भालि ए॥ उ उः क मी ननु भद्रि ननु
उपा ननु ननु लि ए मय इक धर्क ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु
ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु
ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु
ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु

श्री.
०३

कगउम्रीगीएकवेडा॥ एवमभमनप्रकरे॥ यः प्रभेमुत्तवडभंउ
 तं॥ म्रीमृम्रीमुंम्रीॐ म्रीरंॐ उतिहपदतं म्रीगीएरगुभिउंभाइक
 भयंमगीरंठएउ॥ उभृगुउलछाः पद्मलयाएगुगीविनिद्रमती
 कसिमउप्रमेमेरेवापेंतिरेवाधयाति॥ किंछुउलछाः॥ ए॥
 भिन्नगगगवलदगीवडिगभललेकक॥ पधुयमे॥ वरुम
 हलारियगीउ॥ भिन्नगगगलेद्र॥ यद्रंभमः॥ उभृयागव
 लदगीपरिभलपरिभृ॥॥ उइयैलेकगूद॥ मिडियवड॥
 गगगगलवि॥ लेलाया॥ पधुयमे॥ रुभरपडिः॥ भाएव

श्री.
३७

१ दिवल यं॥ भायं ह्रीं क० उपा मलु मडिके ~ मएगाउ मडिणय
त्रि॥ उभेउष्टु प्रमपष्टु जेउ भु मकल गु ~ लह ~ मंपत्रः भियः
भुऊति मेदं प्रभुवति॥ किं कुतः भियः॥ निद्रित ममरेच क मली
क उ० द० भूएः॥ मम० उ० उ० उ० क मली क उ० क मली क उ० मम०
भूए उ० निद्रित ममरेच क मली क उ० द० भूए य० क उ०॥ परः
किं कुतः भियः॥ निद्रित मम० ह० म० व० ध० म० द० ग० द०॥ निः श्र० म० ह० म०
निः श्र० म० ल० न० र० य० व० ध० उ० ध० म० ए० व० म० द० उ० र० ग० द० ह० क० ल०॥ य
॥ निः श्र० म० ह० म० सु० व० उ० व० ए० उ० ध० ल० म० दे० उ० उ० दिः म० उ० प०

सुतेन दन ह कुलः ॥ ११ ॥ ७ संनीरुग वतः पर ह वतुगे ~ कल
 तुग भाद ॥ ॥ भउ श्रीरुग भालिरी ह ठिण या मि ह गं भे डं भि डं ड
 भं वरु गयी भन भन गडिय भुन भव भ वः ॥ व द्रु भु भि क पी डि
 डैः भु भु है डै ह डि डै भु द ठि वी र वू पै ल क डू गै विय भि डै ड यानि
 र ह डलः ॥ ७ ॥ र भे डि भ भे ण ॥ दे भ उः यः प भ ग श्रीरुग भालि
 री ७ ह ठि ण या ॥ पें ह्री ली सुन भ भि रुग भालि नि भु दे डि डं मि
 ह ग भे डं भि डं ॥ मि ह ग भे भे व ग भे न डू य भल भे डं डं भि डं भे
 परी दू भ भ वरु भयी भ वरु भु भु भन भन गडिय भन मि ह य डि ॥ ३

श्री.
 ३.

पमपं वा मरुव वरवलि तै एयति॥ कैं: मुरत ए: किं कुतै उ
इधुभिकपादिउतै॥ राइधुभिके नमै इधुम फलेरपीदिउतै
लिदिउतै॥ पर: किं कुतै: मुरत ए: पलकं ऊरै: रैभा छिउतै॥ अथ
गं कैं स्यादुति: प्रियवमनै: किं कुतै स्यादुति मेट्टा छिउतै॥ अथ
मभीठवभीति मेट्टमदिउतै॥ परगपिकै: नैइ छलेउयन छले:
मयरप्राउतै: क। दौगिहउ॥ पर: किं कुतै नैइ छले श्रीगहू वि
सले: मलरश्रियगदिउतै॥ पर: किं कुतै नैइ छले: नित्यभिउ
अमवलंकन मट्टनिगीकाल विषयीनउतै भुवलंकनउतै ग

हरः ॥ ७ ॥ सुषुपुनरातुरे ~ वउयगलेरदलउरभाद ॥
 यभुं एयतिगगभगरउर डिउररैक उरभुं हंगपदुगग
 नलिनी ॥ धमरा एभिंसी ॥ गल मिहमपइरइर मिउप्रहंइ कु
 धरु ॥ मे ~ मं वलिउद्रगगवभरा भुभुभुगउद्ररा ॥ ७० ॥
 कप्रं अ ममकरं कभलिनी पइंकल केमले कुण के किल ॥
 काभिनी जलजद्रकलैल केलादलभा ॥ महुउधुलया रले
 भुभुभुपभुगवेगाउर कभुने रिपउ डिदउर गिरंभु उ डि
 मेम डिम ॥ ७१ ॥ देसुधुयः प्रभं भुं गगभगरउर मिउमगभ

श्री.
 ७०

गगमे लं भभमे उरतीया भिद्रगी रैक उभुः प्रतुरे भये भैरं
प्रभुय उहृगं विक भित्तं यरुद्र गगर लिनी प्रभ भम मंक
भलिनी कुभभं उमेव भन भण भते ॥ उति भा उष उभे वं विणं
इं ए यति ॥ उभु प्रनध भुद्रः भद्रद भद्र उभु उ ॥ उ यं म
हते निद्र विर केवलं कयु भे व निद्रति ॥ किउ कुभन कं कु
गम मे ली ॥ उपा क भलिनी पइ परः किंकल के मलं कल
नारे प्रण र केवल भिं म भे व ॥ किं म ॥ ऊ ए ह किल का भिनी कु
ल उद्र क लै ल के ल दलं ॥ ऊ ए म ह कु म द य भ रं य कीरि

लक भिनी जलं कलक ली वरं ॥ उभय ॥ कद्र कल्ले लकैल
 दल ॥ कद्र मवे सार ली परः परः भाडुं ॥ अद्रा पौः किं
 वडि लया रल भ्रम भद पभ्रम वेगा उगः कभ्रते ॥ प्रलय
 कल्ले रये रले वे सार भ्रम पद भ्रम भुभ्रये भद पभ्रम भ्रमे
 देगः ॥ उग उग री किउः भटः कभ्रते वे पं क वडि ॥ दते डि पि
 मरि पउ डि म रि स्रे वे व भ्रम रं या डि ॥ पर निरं व मं र भ्रा
 ति रं मरि य डि म ॥ पर ल व मं ड भ्रमः मे म य डि मरि मि लि उ
 उ डि क म ल्ल ॥ अट्टे पि ये पभ्रम वेगा उग रं व डि भ्रम भ्रते ॥ १

श्री.
 ७७

ਪਤਤਿਗਿਰੰ ੨ ਮਘਤਿ॥ ਪਰਜਲਵ ਮੇਝੋ ਚੁੜ ਮੋਧਤਿ॥ ਕਿਮਿ
ਮੇਰੋ ਮਧਾ ਕੁਤ ਮਿਤਿ ਯੇਨ ਮਮਾ ਧਮ ਪਘਰ ਮਮੁ ਮੋਹਿ ਮਧ
ਨ ਛਤਿ॥ ਕਿੰ ਚੁਤਾ: ਸੁਧਰਾ॥ ਗਲਾ ਮਿਟੁ ਮਪਤੁ ਰਤੁ ਮਿਤੁ ਪਤੁ
ਕੁਖਾ ਮਿਸੇ ਅਮੋਰਲਿਤਾ ਧਰਾ ਗਰਮਰਾ:॥ ਨਿਲਕੁ ਨਿਰੰ
ਕੁਰਿ ਕਰੇ ਕਾਲ ਮਿਟੁ ਪੁਸ਼ਮ ਮਧਧੰ ਕੁਚਾ ਨ ਰਵਿੰ ਮਪਤੁ ਧਤਿ॥
ਪਤੁਤੀਤਿ॥ ਗਲਾ ਮਿਟੁ ਮਪਤੁ ਨਿਰਤਾ ਮਾਨਿਧਾ ਨਿਰਤੁ ਨਿਤੋ
ਮਿਤੁ॥ ਧਮਿਤੁ: ਧਾ ਪੁਟੁ ਕੁਖਾ ਮਧਕੁ ਲਾਧੁ ਮੋਰੁ ਮੁਮੰ ਮਿਸੁ
ਟ: ਕੁਤਿ ਪਧੁਧ ਮੁਠਿ ਮੰਨਾ ਲਿਤੁ ਨਿਮਿਸੁ ਨਿਸੁ ਧਰਾ ਗੰਧਮ

रसिमयाभंउभुष॥ यद्वापुषम'उदेदेहविमेष'भा॥ ३३
 उम'री'ग'य'ह'भ'इ'ल्ल'य'भ'उ'र'ग'ण'भ'द'॥ श्रीभ'इ'ल्ल'य'य'
 भ'ए'य'क'ग'व'स्रै'उ'ह'म'स्र'इ'के'हं'क'प'प'ष'भ'उ'भं'मि'म'ल'य'
 कुंदं'भ'छी'वि'नि॥ ए'वी'प'वि'ए'भ'भा'द'म'य'ग'उ'कि'भि'
 उ'मे'उ'म'कु'हं'मे'वे'नि'ए'रै'ए'ल'क'र'क'भ'इ'द'उ'ए'भी'स्र'गी'भा॥
 द'भ'इ'ल्ल'य'य'भ'ए'य'क'ग'व'स्रै'उ'ह'म'स्र'इ'के'भ'इ'ल्ल'य'उ'
 र'भ'ए'य'य'ह'ः'रं'म'सी'य'क'ग'व'उ'स्र'भु'स्रै'उ'ह'मे'व'स'इ'क'प'
 क'ग'क'ह'ग'॥ उ'इ'उ'प'दे'द'म'भ'ए'वी'वि'नि'दं'म'नि'ज'~'इ'द'ए'णी

श्री.
 ३३

वयतीति एनीराठिपंभभययति॥ उष्टुभ्रभ्रपं॥ अदंमिराविप
लंकरुभभाउ॥ अष्टापापिरुमदेरददे॥ अंभादउएमेवरा
भीसंगीमेव॥ सुसूये॥ अउकर॥ अंयमद्रुद्रिकंहीकर॥ अ
भांहीकरः प्रषमयष्टुभ्र॥ एवंकुतअंमममउं॥ अंरुद्रिही
करिप्रषमः उभाभीतिपा०॥ ममप्रषमः उभांमिप्रवाष्टुष्टु
मिल्लयविमरय॥ प्रषमः उभांभीहइकममिहिएवैचालेप
उंतिनेपः॥ अकरइष्टादउह॥ अप्रममणीवंपा॥ विणम
भा॥ अंयगकुभ्रिउं॥ अंयवराविणमभा॥ : उंहलि

ਤੇਯੋਂ ਦਰੁਯਗੁਤਿ ਮੁਖਿ ਮਿਤਿ ਮਾ ਮਿਤਿ ਤੁ ਮ ॥ ਮਦੁ ਲੁਧ ਮੁਖੇ ਕੁਪ ਪਛੋਤ
 ਸ੍ਰੀ ਮਦੁ ਲੁਧ ਤਿਨ ਮਧੇਯਾ ਕੁਗਵ ਕੁਕੁ ਤਿਕੇਤ ਤੁ ਤੁਤੁਤੁ ਮਦੁ ਸਕੁ
 ਤਿਕਿ ਕੰਢੀ ਕਾ ॥ ਪ੍ਰਥਮ ਕੁਗ ਕੁਕੋਤੁ ਰੋਧੁ ਭਾਦ ਸਕੁ ਤੁਲੇਯੁ
 ਕੰਢੀ ਕੁਗ ਕੁਕੋਤੁ ਰੋਧੁ ਭਾਦ ਸਕੁ ॥ ਤਿੰਨੀ ਸ੍ਰੀ ਮਦੁ ਲੁਧ ਕੁਗਵ
 ਤਿਸੇਤੁਤੁ ਮਦੁ ਕੁਮ ਮੰਝੀ ਵਿਨਿਸ਼ਾਦ ॥ ੭੩ ॥ ਭਯੰਗੀ ਪਰਮ ਸੁਦਾ ਮਾਦੁ
 ਲੁਧ ਕੁਪ ਪੁਕੁਲ ਮਾਦੁ ॥ ੭੪ ॥ ਪਰੰਤੁ ਮਮ ਤੇ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਿ ਸਿੰਗ ਕਾ
 ਸਾਕੁ ਮਕੁਤੁ ਮਮ ਤੁਤੁ ਕੁਮ ਮਾਦੁ ਪਖੰ ਮਾ ਕੁਪੁਲ ਤੁਤੁਤੁ ॥ ੭੫ ॥ ਤੇ ਮਾਦੁ ਕੁ
 ਵਲੀ ਨੁਗਿਤੁ ਕੁਗ ਕੁਮ ਮਾਦੁ ਪਖੰ ਮਾ ਕੁਪੁਲ ਤੁਤੁਤੁ ॥ ੭੬ ॥

ਸ੍ਰੀ.
 ੭੩

डिउं भुं भुं पेः ॥॥ देभ' उभुं प्रम' धा' भ' हः द' उ' उ' भुं भुं ले' सि' र' मि
र' म' प' म' म' ह' ॥ र' ग' म' दे' म' र' र' ग' म' ग' र' उ' से' र' क' ल' र' म' र' द' य' ग'
रा' य' र' पि' निः ॥ भ' पे' वि' र' व' पि' य' ध' क' व' डि ॥ उ' ध' र'ी' म' डि' नि' ल' म' डि
किं' कु' उ' भुं भ' हः क' व' ली' द' उ' डि' कु' व' र' र' ग' भ' क' व' ली' र' म' र' म' र' म' र' म'
य' डि' कु' व' र' ॥ उ' भुं भ' म' भ' उ' म' व' र' र' ग' य' भ' म' उ' ध' उ' भुं उ' क' उ' प' ॥ य' ध' न'
॥ ए' व' वि' र' प' प्र' व' ज' ल' र' म' म' भ' उ' म' र' गी' भ' र' म' र' म' र' म' र' म' र' म' र' म' र' म'
ग' य' ए' उ' ॥ किं' कु' उ' र' र' क' रि' म' क' म' क' भ' उ' ॥ म' उ' उ' क' म' m' र' व' प्र' म'
र' क' य' ॥ लि' म' य' रि' म' क' m' क' भ' उ' म' र' म' उ' म' ए' म' उ' उ' क' m' m' र' v

श्री.
३५

कैल गुरुं भय भयापनिमये ॥ ए गुरुं पयं च पल्लवं भवे भय
उभयः ये भयापनिमयः किं भयदः उ किं भुजः कल मेतु
सातु विमलं क मडग ॥ मेतु भयं उ मेव सातु ग म क र भ ॥
उ विमलं ल उ विमलं क मडग प क पूवी ॥ प म उ विमलं
कल प म व म उ उ ती प म विमलं व म विमलं य ती ॥ ३४ ॥ उ म ती प म
विमलं म र उ प म म म ड र य ॥ ॥ उ म उ पि उ गे उ म व म म ड र य
म म म म प ड र विमलं उ म म की डिम मि उ उ म म म ड र य ॥ किं भुज
म क ल म म डि उ मि डि उ म प क म ल म विमलं म म म म म म म म

श्री

ठिकै पिय गे डगी ये भू भू ठु ठु व क न ॥ व न ॥ ल ये भि ग ॥ श्री म भू
 प्रिष्ट ठि प य म भ यि प्र म त्रं मे उ त्त क र म क ल ग म म र व डी ॥ ३१ ॥
 क न ॥ व न ॥ ल ये क न ॥ य उ ते व न ॥ ल ये ग म वि मे ध र म
 उ ट ठि क ट व डि नि श्री भि डू रं ष ड ठि कै पिय गे म उ ते क लिय गे
 भू ठु ठु व प्र क टै डू ग ॥ म भि डि डू रं षे म ठि प य श्री म भू ठि ठि ॥ म
 भ यि वि ध ये मे डं भ १: ५ म त्रं म क र म भ्रे दं न उ व र ॥ ५३: किं डू उ:
 श्री म भू भू क ल ग म म र व डी भ क ल म भ व ग म: म प र म रू उ
 भि म क ल ग म म र व डू उ ड ॥ किं डू उ भि डू रं षे क न ॥

श्री.
३१

ਮੇ: ਤਥਾ ਲੁਧਾਪਰਿ~ਤਤ੍ਰਯਮਿਨ੍ਰੁਵਿਣੁਰੇਯਮ੍ਰਮੇ:॥ ੩੨ ਸ੍ਰੀਸੰਘੇ
ਗਲੁਧਾਤਪਦੇਸੇਰਪਰਿ~ਤ: ਪਰਿ~ਤਮੰਪ੍ਰਾਤੁ: ਯੈਤ੍ਰਵਤੁਮਾਯੇਗੁਨ
ਨ੍ਰਮ:॥ ੩੩ ਮਿਨ੍ਰੁਵਿਣੁਰੰਰੇਯਮ੍ਰਮੇਤ੍ਰਿਨ੍ਰੁਮ੍ਰਾਨਿਤੈਸੁਥਾ॥ ੩੩॥ ੫
ਰਿਸੰਗੀਠਗਵਣ: ਪ੍ਰਯਾਤਮਾਦ॥॥॥ ਯੇਥਾ ਪੰਗਤੁਲਯੈਰਤਮਮਿਨ੍ਰੁ
ਤੁੰਤੋਥਾ ਗਿਰਾਮਮਗਿਰੀਠਗਵਣਮਿਨ੍ਰੁ:॥ ਤੇਸੁਨ੍ਰੁ~ ਪਰਿਸੰਤੋਵਿਧ
ਗੋਪਿਰਾਮੰਮਾਨ੍ਰੁਨ੍ਰੁਸਿਨ੍ਰਿਤਿਮਤੁਤਮਨ੍ਰੁਯੈਤ੍ਰਮਾ॥ ਦੇਮਵੇਸ਼ਰਿ
ਮਤੰਗਿਰਤੁਗੰਧਮਦਮਿਨ੍ਰੁਯੈਪ੍ਰਾਨ੍ਰੁਯਾਮਿ॥ ੬ ਤਿਕਿੰ॥ ਦੇਸੁਥਿਨ੍ਰੁ
ਯੇਥਾਪ੍ਰਾਨ੍ਰੁਪ੍ਰਮਤੰਗੰਧਮਦਮਿਨ੍ਰੁਯੈਪ੍ਰਾਨ੍ਰੁਯਾਮਿ॥ ੭ ਤਿਕਿੰ॥ ਦੇਸੁਥਿਨ੍ਰੁ

गिरभदभमगिरः वलीप्रभगाभिन्नाः रुवुडु॥ पत्रभुः प्रभवेः
 भदविभवेदेमेपरिमितेपिपरिमयंशुप्रसृष्टमेप्रुपिपिड
 पिउभदमिनिवभवनैरुल्लंक्षल्लभइंकममिदपिवभेभ
 रुमभ॥५७॥५८॥ श्रीगुरुरुज्ज्वलभद॥ श्रीमभुगवकन
 कगभिरुगवश्रीभिरुगवकन॥ कगभिरुगवः भवापगण
 भलिरेपिभयिप्रभवंमेतः ऊरुप्रमल्लभभगावृद्धि॥॥
 मभुगवदेकन॥ कगभिरुगवदेश्रीभिरुगवदेकन॥
 मभुगवभवापगणभलिरेपिनिमित्तपगणकलधनउपिभ

श्री.
 ३३

यिविधयेमउच्चिउंभमंभमयंऊन॥यउऊ॥अऊभाउकि
प्रिमपिमर~राभि॥२०॥उमंरीपरभेसुरमयालइभद॥
उउंप्रडिऊ~भमभूविलेमरभुपषीणभुपउःभुटभाविग
भीउमहुवरंठगवगीहमयंप्रविष्माम्भुभुयंरवरवेसभपिव
गील॥२१॥उऊभरेरप्रकगे~गुनभर~दिगप्रडिऊ~ह
~ह~प्रडिउमभूविलेमरभुभुप्रलविलेमरभुपषीण
भभुगउंरेभुटंप्रकटंयषाठवडि॥उषाठगवगीउवरसगीभु
वेगभाउकलीवहुव॥किंकुउउवरसगीवरंमहुहमयंप्रविष्

५१: किं कुत उवरे च गीठगवती ॥ ५२: अयं अयमवतवरेन
 उपपद्यते मयैः मां भूः ननु भाषितवती लो विभुः प्रपु ॥ ५३ ॥
 मं गी भू इ विषयं गुण प्रभादभाद ॥ ५४ ॥ वागमि हि मेव भउ लभव
 ले उरुषः श्री मभु रभु भदती भिदउं प्रतिष्ठाभा ॥ ५५ ॥ अभि नृदे
 रिउ वरागभव कु विष्टु भिंदमभैक नमिरे भमि ॥ ५६ ॥ रं य कर ॥
 उदभिं ले के राषः ॥ श्री मभु रभु भू इ भु वागमि हि मे उलं वद
 भव न ले उ अभि नृदे अभि नृदे नमिरे यषाठवति ॥ ५७ ॥ उं षा
 ०१ भा इ उं दिभ कल मि हि वि वि गयिरी भदती प्रतिष्ठा क ॥ ५८ ॥

श्री.
 ७७

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

सि॥ मत्तांणि कृयस्त्र विमुद्रि विमोप रं वै मल्लं पश्यन्ती प्रभिद्ध
 उभं भपुग ममं ठे एग मि॥ उष वृद्ध यज्ञ प्रपल मं प्रपद्यैः ऊम
 मेः परदे मे करे॥ उष ऊम भवमर लेपर दृष्ट ल निऊं मभानि
 ॥ प्रपद्यं मउप इमी विवमर विवभू लि सुद्ध नीति उषलेप
 न विवमर विवमर ठ व विमुद्रं नीति॥ २७॥ मवेम नी भुं उप० न
 उय कृवति उमद ॥ उऊं मभ इय भविकं लं ये इउ ऊः प्रठ उ
 एद्रे वा भुमय मभये की उये मे क मिउः॥ उभे ल भ भ कल उ
 र म्वर कुतेः प्र कुते विष्ट भ व भ विवमने म उ ग व पू म उ

श्री.
 २

दिङ्बर मंदिर

श्री.
१०

विपल

॥ श्रीः ॥

Handwritten notes in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.

उपव मित्रुभदिभभुइभिहः ॥ इय ॥ ॥ ॥ पद्मनरक
विनाविभलठठ ॥ श्रीभरुष्टीगणनठच डिभ्रद डिमीपिनी ॥ ॥
ॐ डि श्रीपष्टी ॥ गगद विरमिठ श्रीविस्वस्वगीभुइभ
मीभिकभभापु ॥ ॥ नृतिः श्रीपद्मनरकवः ॥ ॥ ॥

